दोनों ही डीएम। एक काम में जुटा रहा , दूसरा चपरासी को फोन थमा कर सोया

Written by कुमार सौवीर
Friday, 02 June 2017 23:13

: गजब कहानियां हैं यूपी के बड़े बाबुओं की , दायित्व सम्भालने के बजाय मौज लेने के लिए पोस्टिंग लेते हैं : फैजाबाद और जौनपुर के जिलाधिकारियों का किस्सा फर्क और असलियत जाहिर कर देता है : कहानियां जो शर्म और गर्व के बीच खाई बताती हैं :

कुमार सौवीर

लखनऊ : प्रशासनिक अफसरों को ताश के पत्तों की तरह फेंटना सरकार के दायित्वों में शामिल होता है। चाणक्य तक इस बारे में प्रवचन दे चुके हैं। योगी सरकार ने भी यही किया। अक्षरश:। उन्होंने दो बड़ा बाबुओं, यानी जितने भी आईएएस अफसरों को फेंटा, उनमें से दो का किस्सा हम आपको बताते हैं। हुआ यह कि इन दोनों ही जिलाधिकारी बनाये गये। मकसद था कि लोक-प्रशासन को मजबूत करेंगे, सरकार की प्राथमिकताओं को पूरा करेंगे और आम आदमी को प्रशासनिक तौर पर होने वाली दिक्कतों का निपटारा करेंगे। लेकिन हुआ यह कि एक तो सूरज बन कर दमके, जबकि दूसरे की हालत तो चंद्र-ग्रहण जैसी हो गयी। घुप्प अंधेरे में ही छुप गया वह बड़ा बाबू।

मामला है फैजाबाद और जौनपुर का। हालांकि लट्ठबाज अभय जो बहराइच से होते हुए रायबरेली की कुर्सी तक पहुंचे, जुल्फी प्रशासन के नाम पर मशहूर भानुचंद्र गोस्वामी जौनपुर से नियोजन और उसके बाद पता नहीं किस अनजानी राह पर कहां चले गये। लखीमपुर-फैजाबाद वाली मेकअप गर्ल किंजल सिंह का भी पता नहीं है। यह सब के सब किसी नॉनवर्किंग में हैं, जहां आम आदमी से कोई लेनादेना ही नहीं होता। ऐसे लोगों की लिस्ट बहुत लम्बी है, ज्यादा चर्चा का कोई औचित्य तक नहीं बचा है अब।

अगर आप यूपी के आईएएस अफसरों से जुडी खबरों को देखना चाहते हैं तो कृपया निम्न लिंक पर क्लिक कीजिए :-

बड़ा बाबू

1 / 2

Written by कुमार सौवीर
Friday, 02 June 2017 23:13

तो हमारी चर्चा का वषिय हैं वह जलिाधकिारी जो फैजाबाद और जौनपुर में हैं□ तीन दनि पहले ही फैजाबाद के डी□म को पता चला कि वहां के जलिा अस्□पताल का मुख्□य चकित्□सा अधीक्षक अपना काम करने के बजाय, दीगर नजी नर्संगि अस्□पतालों-हस्□पतालों में मरीजों को देखने के नाम पर पैसा ऐंठ रहा है□ सरकारी अस्□पताल से मरीजों को इसी नर्संगि अस्□पतालों में बुला कर पैसा लयिा जा रहा है□

यह खबर मलिते ही फैजाबाद का जलिाधकिारी सक्रयि हो गया□ अगले ही दनि सुबह ही वह डी□म □क नर्संगि हॉस्पटिल जय गुरूदेव अस्□पताल पहुंचा और चारों ओर के गेट बंद कर छापा मार दयिा□ पता चला कि सी□म□स साहब अंदर ही हैं□ डॉक्□टर साहब बरामद हु□, बोले कि मैं तो अपने □क रशि्□तेदार को देखने आया था□ लेकनि सीसीटीवी में पता चला कि यह सी□म□स तो बहुत बड़े वाले नकिले□ दर्जनों मरीजों को देख कर पैसा की उगाही में जुटे थे□

जबकि जौनपुर में उसका ठीक उल्□टा हो गया□ पता चला कि □क महलिा का कन्□या भ्रूण-परीक्षण के बाद उसका गर्भस्□थ भ्रूण का समाधान यानी □बॉर्शन की तैयारी चल रही है□ यह खबर कसिी और ने नहीं, बल्कि अपने वशि्□वस्□त सूत्रों के अनुसार प्रमुख न्□यूज पोर्टल मेरी बटियिा डॉट कॉम ने जलिाधकिारी सर्वज्ञराम मशि्र को पहले उनके मोबाइल पर दी थी□ लेकनि पता चला कि उनका फोन उनके चपरासी ने सम्□भाल रखा है और साहब वशि्राम कर रहे हैं□ यह करीब साढ़े नौ बजे सुबह की बात थी□ उसके बाद हमारे संवाददाता ने डी□म सर्वज्ञराम मशि्र के घर के लैंडलाइन पर फोन कयिा और बताया कि मामला बहुत संगीन है□ तो दूसरी ओर से बताया गया कि साहब वशि्राम में हैं□ आप अपना नम्□बर दे दीजि□, बाद में उनसे बात हो जा□गी□

(अब www.meribitiya.com की हर खबर को
फौरन हासिल कीजिए अपनी फेसबुक पर।
मेरी बिटिया डॉट कॉम के फेसबुक पेज पर पधारिये और LIKE पर क्लिक कीजिए)

(अपने आसपास पसरी-पसरती दलाली, अराजकता, लूट, भ्रष्टाचार, टांग-खिंचाई और किसी प्रतिभा की हत्या की साजिशें किसी भी शख्स के हृदय-मन-मस्तिष्क को विचलित कर सकती हैं। समाज में आपके आसपास होने वाली कोई भी सुखद या घटना भी मेरी बिटिया डॉट कॉम की सुर्खिया बन सकती है। चाहे वह स्त्री सशक्तीकरण से जुड़ी हो, या फिर बच्चों अथवा वृद्धों से केंद्रित हो। हर शख्स बोलना चाहता है। लेकिन अधिकांश लोगों को पता तक नहीं होता है कि उसे अपनी प्रतिक्रिया कैसी, कहां और कितनी करनी चाहिए।अब आप निःश्चिंत हो जाइये। अब आपके पास है एक बेफिक्र रास्ता, नाम है प्रमुख न्यूज पोर्टल www.meribitiya.com। आइंदा आप अपनी सारी बातें हम www.meribitiya.com के साथ शेयर कीजिए न। ऐसी कोई घटना, हादसा, साजिश की भनक मिले, तो आप सीधे हमसे सम्पर्क कीजिए। आप नहीं चाहेंगे, तो हम आपकी पहचान छिपा लेंगे, आपका नाम-पता गुप्त रखेंगे। आप अपनी सारी बातें हमारे ईमेल kumarsauvir@gmail.com पर विस्तार से भेज दें। आप चाहें तो हमारे मोबाइल 9415302520 पर भी हमें कभी भी बेहिचक फोन कर सकते हैं।)